

भारतीय डाक विभाग
Department of Posts
India



तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

जारी करने की तारीख : 12 अक्टूबर, 2013
Date of Issue : 12 October, 2013

मूल्यवर्ग : 2000 पै.
Denomination : 2000 p

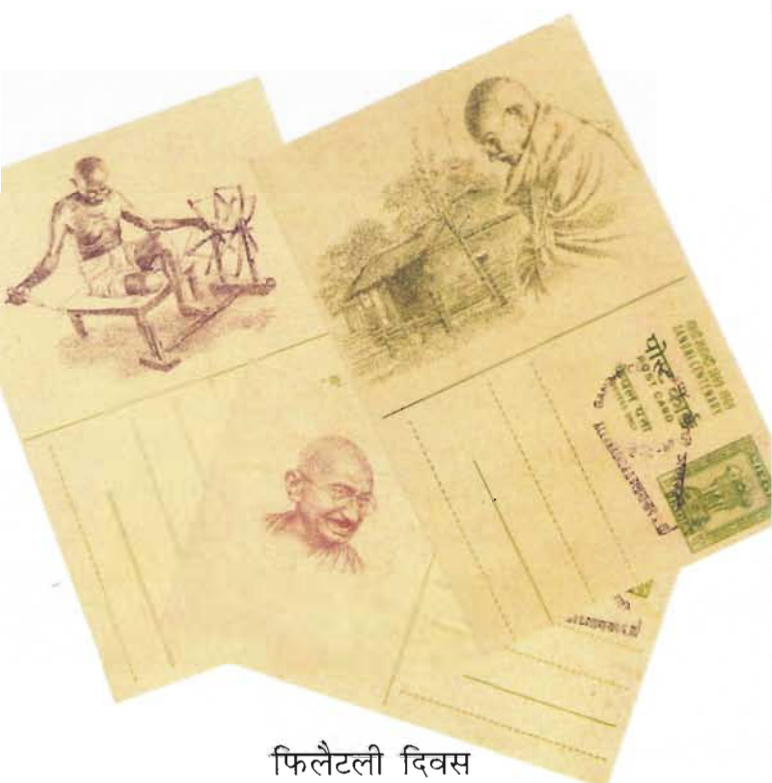
स्मारिका शीट : 4.1 लाख
Souvenir Sheet : 0.41 million

मुद्रण प्रक्रिया : वेट ऑफसेट
Printing Process : Wet Offset

मुद्रक : भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नाशिक
Printer : India Security Press, Nashik

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.



फिलैटली दिवस
PHILATELY DAY

विवरणिका BROCHURE

मूल्य ₹ 5.00

Philately Day

“Truth alone will endure, all the rest will be swept away before the tide of time. I must continue to bear testimony to truth even if I am forsaken by all. Mine may today be a voice in the wilderness, but it will be heard when all other voices are silenced, if it is the voice of Truth”.

Mahatma Gandhi dedicated his life to the wider purpose of discovering truth, or ‘Satya’. He tried to achieve this by learning from his own mistakes and conducting experiments on himself. He not only propagated the ideals of truth, non violence and ethical means but also lived his life following these ideals. Mahatma Gandhi’s greatness is unparalleled in history and is unlikely to be surpassed in the coming century.

On the occasion of ‘Philately Day’, Department of Posts is paying tribute to the most prominent and influential leader of our country, Mohandas Karamchand Gandhi, who has played a pivotal role in building a free and democratic India. His indelible contribution in India’s freedom struggle has inspired many generations and great leaders of humankind. The Souvenir sheet issued depicts Mahatma Gandhi with spinning wheel (Charkha) in the background as he propagated ‘Khadi’, a hand-woven cloth all through his life. The stamp on Souvenir sheet is a collage of two stamps issued by Department of Posts in 1948 and 1969. It also has in background a slightly modified version of a stamp issued on Mahatma Gandhi in 1969.

In the present era of globalization and technical revolution, the development of digitized communications

system has affected every area of human life, in every part of the world. It has reshaped and transformed the ways in which people organize their lives, interact with each other and participate in the various spheres of society. In spite of the rapid growth of electronic communication services, the existence of physical communication infrastructure, as provided by postal services, remains an essential element in the exchange of information in both developed and developing countries. However, the customer is now more in control. Customers are now much more demanding and well informed about service standards. This control and power comes from their use of technology -- new media, mobile, computers and new methods of interacting with each other.

In such a scenario, where customer satisfaction is a key to survival for any organization, the words of Mahatma Gandhi regarding the importance of the customers hold great significance. He said, “A customer is the most important visitor on our premises. He is not dependent on us. We are dependent on him. He is not an interruption in our work. He is the purpose of it. He is not an outsider in our business. He is part of it. We are not doing him a favour by serving him. He is doing us a favour by giving us an opportunity to do so.”

Department of Posts reaffirms its commitment to the teachings and ideals of Mahatma Gandhi by issuing a Souvenir Sheet.

Credits:

Text : Department of Posts
Souvenir Sheet/FDC/
Brochure/Cancellation : Alka Sharma

फिलैटली दिवस

“केवल सत्य बना रहेगा, शेष सभी कुछ समय की धारा में बह जाएगा। मैं सदैव सत्य का पक्षधर रहूँगा, चाहे सभी मेरा साथ छोड़ दें। आज मेरी आवाज निर्जन की आवाज हो सकती है, परन्तु यदि यह सत्य की आवाज है, तो जब सभी आवाजें शांत हो जाएंगी, इसे अवश्य सुना जाएगा।”

महात्मा गांधी ने “सत्य” की खोज के व्यापक प्रयोजन के प्रति अपना जीवन समर्पित किया। उन्होंने स्वयं की गलतियों से सीख लेकर तथा स्वयं के साथ प्रयोग करके इसे प्राप्त करने का प्रयास किया। उन्होंने न केवल सत्य, अहिंसा तथा नैतिक साधनों का प्रचार किया, बल्कि इन आदर्शों का अनुकरण करते हुए अपना जीवन भी व्यतीत किया। इतिहास में महात्मा गांधी की महानता अतुलनीय है तथा आनेवाली सदी में इसे पार करने की कोई संभावना नहीं है।

फिलैटली दिवस के अवसर पर डाक विभाग हमारे देश के अत्यधिक प्रख्यात और प्रभावशाली नेता, मोहनदास करमचन्द गांधी, जिन्होंने एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक भारत के निर्माण में मुख्य भूमिका निभाई है, को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में उनके अमिट योगदान ने कई पीढ़ियों और मानवता के महान नेताओं को प्रेरित किया है। जारी की गई स्मारिका शीट में पृष्ठभूमि में चरखे के साथ महात्मा गांधी को चित्रित किया गया है, क्योंकि उन्होंने जीवनपर्यंत, हाथ से बुने कपड़े, ‘खादी’ का प्रचार किया। स्मारिका शीट पर डाक टिकट दो डाक टिकटों का कोलाज है जिन्हें डाक विभाग द्वारा 1948 और 1969 में जारी किया गया था। इसकी पृष्ठभूमि में 1969 में महात्मा गांधी पर जारी किए गए एक डाक टिकट को भी जरा से संशोधन के साथ दर्शाया गया है।

भूमंडलीकरण और तकनीकी क्रांति के इस वर्तमान युग में डिजिटल संचार प्रणाली के विकास ने विश्व के हर कोने में मानव

जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को प्रभावित किया है। इसने सभी तौर-तरीकों को बदल दिया है जिनके द्वारा लोग अपने जीवन को व्यवस्थित करते हैं, एक दूसरे से बातचीत करते हैं तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सहभागी बनते हैं। इलेक्ट्रॉनिक संचार सेवाओं में तेजी से विकास के बावजूद डाक सेवाओं द्वारा उपलब्ध कराई गई मौजूदा वास्तविक संचार अवसरचना विकसित और विकासशील दोनों देशों में सूचना के आदान-प्रदान में एक महत्वपूर्ण कारक है। तथापि, ग्राहक इस समय अधिक नियंत्रण की स्थिति में है। ग्राहक इस समय कहीं अधिक अपेक्षा करने लगा है तथा सेवा संबंधी मानकों के बारे में अधिक जागरूक है। यह नियंत्रण और शक्ति नए मीडिया, मोबाइल, कम्प्यूटरों और पारस्परिक अंतर्क्रिया के नए तरीकों की प्रौद्योगिकी के प्रयोग से आई है।

इस परिदृश्य में जहां ग्राहक की संतुष्टि किसी संगठन के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है, वहां ग्राहकों के महत्व के संबंध में महात्मा गांधी के कथन का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा था “ग्राहक हमारे परिसर में आने वाला सर्वाधिक महत्वपूर्ण अतिथि है। वह हम पर आश्रित नहीं है। हम उस पर आश्रित हैं। वह हमारे काम में बाधा उत्पन्न नहीं करता है। वह इसका प्रयोजन है। वह हमारे व्यवसाय में कोई बाहरी व्यक्ति नहीं है, बल्कि इसका अंग है। हम उसको सेवा प्रदान करके उस पर कोई एहसान नहीं करते। ऐसा करने का अवसर देकर वह हम पर एहसान करता है।”

डाक विभाग स्मारिका शीट जारी करके महात्मा गांधी की शिक्षाओं और आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुनः अभिपुष्टि करता है।

आभार :

पाठ : डाक विभाग
स्मारिका शीट/
प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका/
विरूपण : अलका शर्मा